[श्री शिव कुमार शास्त्री]

चौथी बात है शिक्षा की। आप देख लें कि जहां जहां पर कालेज हैं, बी० ए० और एम० ए० में लड़के पढ़ते हैं वे चोरियों और डाकों में पकड़े गये हैं। जब ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो आप देखें कि कल को ही ये भारत के भाग्य विधाता बनेंगे तब इस देश का क्या बनेगा ? शिक्षा को आप क्यों नहीं बदलते हैं। धार्मिक शिक्षा देने का आप प्रयत्न क्यों नहीं करते हैं। अगर वह नहीं देते हैं तो मारल शिक्षा, नैतिक शिक्षा यह तो आरम्भ होनी ही चाहिए।

इसके साथ साथ जो नई शिक्षा की पद्धति यहां दिल्ली में तैयार हुई है उसमें संस्कृत को निकाल दिया गया है। संस्कृत एक भाषा ही नहीं है बल्कि वह हमारी संस्कृति की थाती है। आपका पुराना भारत उसमें है। यह बहुत बड़ा अपराध है कि संस्कृत को उसके उस स्थान से वंचित कर दिया गया है जो बहुत प्राचीनकाल से उसको प्राप्त था। मैं कहूंगा कि संस्कृत का वही स्थान रहना चाहिए जो आज तक उसे प्राप्त था।

समयाभाव के कारण मैं अपना भाषण समाप्त करता हूं और आपको समय देने के लिए धन्यवाद देता हूं।

MR. SPEAKER: Mr. Yadav, I just believe in what you have said that you had just got up when the House had adjourned. So, I am giving you an opportunity, but you should be here at 5 minutes to 2 p.m.

13.05 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

RE-DEMONSTRATION BY DELHI TEACHERS

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. R. P. Yadav.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, अभी दिल्ली के हजारों-हजार शिक्षक, औरत-मर्द, बोट क्लब पर अपनी मांगों के लिये प्रदर्शन कर रहे हैं और सुना है कि प्रधान मंत्री जी और कई लोग सरकार की तरफ से पहले आश्वासन दे चुके हैं फिर भी उनकी मांगें पूरी नहीं हुई हैं।

अभी वहां माननीय सदस्य श्री भगत भी गये थे, कुछ और पालियामेंट के मेम्बर भी गये थे। मैं आपकी मार्फत शिक्षा मंत्री से निवेदन करूंगा कि वह यहां कोई बयान दें कि उनके लिये क्या कार्यवाही की जा रही है, नहीं तो एक बहुत भयंकर आन्दोलन की तैयारी वे कर रहे हैं जिसको संभालना सरकार के लिये मुश्किल हो जायगा। इसलिये मैं चाहूंगा कि सरकार एक बयान दे और उनके साथ समझौता वार्ता करके शीघ्र मसले को हल करे, वरना वे सब शीघ्र श्री जय प्रकाश नारायण की गोद में चले जायेंगे। इसलिये उनको बचाने के लिये यह जरूरी है कि उनके साथ समझौता किया जाये।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Bhagat, why do you want to join in this?

श्री एच०के० एल० भगत : (पूर्व दिल्ली) उपाध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ इतनी बात कहनी है कि दिल्ली टीचर्स का मामला बहुत अर्से से पेंडिंग है। उसका सौल्यूशन निकालना चाहिए। उनके साथ बातचीत करके इसका जरूर समाधान निकालना चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: What else do you want, Mr. Naik?

SHRI B. V. NAIK (Kanara): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I really want to make a brief submission within a minute regarding the Cauvery Waters dispute.

MR. DEPUTY-SPEAKER: That is all there in the paper.

SHRI B. V NAIK: That has been discussed in the Rajya Sabha. But, there is an impasse in the discussion between the States of Tamil Nadu, Karnataka as well as Kerala. Therefore, I would request that it should be included in the Agenda in the form of a Call Attention Motion.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Not now, Next Friday.

---

14 08 hrs.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS-*Contd.*

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा दोनों सदनो की संयुक्त बैठक मे दिये गये अभिभाषण पर प्रस्तुत किये गये धन्यवाद के प्रस्ताव के समर्थन मे खडा हुआ हूं।

वास्तव में राष्ट्रपति जी ने गत वर्ष 74 और आने वाले वर्ष 75 का एक सुन्दर खाका खीचा है। 1974 का साल अत्यन्त ही उतार-चढाव का साल रहा है। हर क्षेत्र मे कमरतोड मंहगाई परेशान कर रही थी। स्मगलिग, जमाखोरी और टैक्स-इवेजन जैसे आर्थिक अपराधो के खिलाफ एक जोरदार अभियान चलाया गया जिसके कारगर परिणाम हमारे सामने आये हैं। पावर प्लान्ट, रेल, ट्रांस्पोर्ट, कोयला उत्पादन, इस्पात उत्पादन और दूसरे सार्वजनिक क्षेत्रों के उद्योगों की क्षमता को पूरी तरह काम में लाने के लिये जोरदार कार्यवाही की गई है, यह खुशी की बात है।

हमें राष्ट्रपति जी के साथ आशावादी बनना चाहिए। रबी की फसल अच्छी होने वाली है। जैसाकि माननीय राष्ट्रपति जी ने कहा कि बिजली के क्षेत्र मे थर्मल प्लान्ट्स से 14 प्रतिशत और डी०वी०सी० प्लान्ट्स से 34 प्रतिशत ज्यादा बिजली मिली है जो कि काबलेतारीफ है लेकिन मैं कहूंगा कि देश मे बिजली की कमी की उससे भी पूर्ति नही होगी। इस दिशा मे हमारी शिथिलता नही होनी चाहिए।

मैं जिस प्रदेश से आता हू, बिहार मे, वहा बिजली की बहुत कमी है लेकिन आपको जानकारी होगी कि वहा कोयले की बहुतायत है। वहा और बहुत सारे थर्मल प्लान्ट्स लगाये जा सकते है।

यह खुशी की बात है कि राष्ट्रपति जी ने बताया है कि मुद्रा-स्फीति और माली सुधार के सम्बन्ध मे जो कदम उठाये जा रहे है, और आर्थिक अपराधो के खिलाफ जो कार्य-वाही की गई है, उसको जोरो से जारी रखा जायेगा।

जहा तक पच-वर्षीय योजना का सम्बन्ध है, शुरू से ही यह कहा गया है कि कमजोर वर्गो तथा पिछडे इलाको पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। लेकिन खेद के साथ कहना पडता है कि आज तक उस पर ज्यादा ध्यान नही दिया गया है। वास्तव मे पिछडे इलाके ज्यादा पिछडे होते चले गये है। प्लानिंग फ्राम दि ग्रासरूट्स की बात रोज कही जाती है लेकिन वह कागज पर ही रहती है, उसको हकीकत मे परिणत नही किया जाता है। यह जानी हुई बात है कि पिछड़े इलाको मे इनफ्रा-स्ट्रक्चर की कमी होती है, और इसी कारण वहां इडस्ट्री नही लगती है। लेकिन यदि यही आलम रहा कि चूंकि वहां इनफ्-स्ट्रक्चर नही है इसलिए वहां इंडस्ट्री नही लगेगी, तो पिछड़े इलाके पिछड़े हुए ही रहेंगे, वे कभी तरक्की नहीं कर सकेंगे। इस लिए मैं सरकार का ध्यान विशेष रूप से इस ओर खींचना चाहता हूं।